

हरियाली तीज आई है

हरियाली तीज आई है

हरियाली तीज आई है। चहुं ओर वृंदावन में, हरियाली छाई है॥

खिले फूल कलियाँ रंगले। सौन महीना आ गया, पड़े झूले फूल बंगले ॥

तीज उत्सव बेमिसाल है। वृंदावन मंदिरों में, झूल रहियो लाडली लाल है॥

बज रहा साज और ताल है। स्वर्ण हिंडोला झूलत, श्री बांके बिहारी लाल है॥

झुला दरस जयकार गूंजते। 'मधुप हरि' गीतों पर, संत भगत रसिक झूमते॥

कवि : [सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण 'मधुप' \(मधुप हरि जी महाराज\) अमृतसर \(9814668946\)](#)

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36597/title/hariyali-teez-aayi-hai>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |